# Aao Gajanan Pyaare Girija Ke Dulaare Lyrics in Hindi and English

**Aao Gajanan Pyaare Girija Ke Dulaare Lyrics in Hindi**

आओ गजानन प्यारे गिरिजा के दुलारे ॥

सब देवन में देव कहाए
पूजो चरण तुम्हारे  गिरिजा के दुलारे ॥

हरी हरी दूबा तुमको चढ़ाए
चंदन झूला डारे गिरिजा के दुलारे ॥

लड्डुअन को हम भोग लगाए
पलक पावड़े डारे गिरिजा के दुलारे ॥

आज मनाए आसन लगाके
गा गा गीत तुम्हारे गिरिजा के दुलारे ॥\

**Aao Gajanan Pyaare Girija Ke Dulaare Lyrics in English**

Aao Gajanan Pyaare Girija Ke Dulaare

Sab devon mein dev kahaaye
Poojo charan tumhaare Girija ke dulaare

Hari hari dooba tumko chadhaaye
Chandan jhoola daare Girija ke dulaare

Ladwan ko hum bhog lagaaye
Palak paawde daare Girija ke dulaare

Aaj manaaye aasan lagaake
Ga ga geet tumhaare Girija ke dulaare

**About Aao Gajanan Pyaare Girija Ke Dulaare Bhajan in English**

“Aao Gajanan Pyaare Girija Ke Dulaare” is a devotional bhajan dedicated to Lord Ganesha, often referred to as the beloved child of Goddess Parvati (Girija). The bhajan expresses deep devotion and affection towards Lord Ganesha, invoking his divine blessings and celebrating his purity and grace. The lyrics describe various offerings made to Lord Ganesha, symbolizing love, reverence, and respect.

Breakdown of the Bhajan:
Invocation of Lord Ganesha: The bhajan begins with an invitation for Lord Ganesha to come and bless the devotees, recognizing him as the beloved child of Goddess Parvati. It acknowledges Lord Ganesha’s supreme position among the gods, highlighting his importance in the spiritual realm.

Offering Sacred Rituals: The bhajan speaks about offering sacred rituals to Lord Ganesha, including the use of hari hari dooba (a sacred grass), and adorning him with chandan (sandalwood paste) and

a jhoola (swing). These rituals symbolize purity, respect, and devotion towards the deity.

Offering Prasad (Laddu): The devotees offer laddu (a traditional sweet) to Lord Ganesha, which is one of his favorite offerings. This represents the love and devotion of the worshippers, who seek his blessings for prosperity, success, and happiness.

Songs of Praise: The bhajan also mentions singing devotional songs in praise of Lord Ganesha, creating an atmosphere of joy and celebration. The devotees express their devotion by singing songs dedicated to him, reflecting their deep connection and spiritual bond.

This bhajan beautifully reflects the deep love and reverence devotees have for Lord Ganesha. It showcases the various traditional offerings made to him as symbols of respect and devotion. The melody and words of the bhajan inspire peace, devotion, and a sense of spiritual connection with Lord Ganesha, inviting his blessings in the lives of the devotees.

**About Aao Gajanan Pyaare Girija Ke Dulaare Bhajan in Hindi**

“आओ गजानन प्यारे गिरिजा के दुलारे” एक भक्ति भजन है जो भगवान गणेश को समर्पित है, जिन्हें गिरिजा के दुलारे यानी माता पार्वती के प्रिय पुत्र के रूप में पूजा जाता है। इस भजन में भगवान गणेश के प्रति भक्तों की गहरी श्रद्धा और प्रेम व्यक्त किया गया है। भजन में भगवान गणेश के चरणों में श्रद्धा अर्पित करने, विभिन्न पूजा विधियों और भोग अर्पित करने का वर्णन किया गया है।

भजन का सारांश :
भगवान गणेश का आह्वान : भजन की शुरुआत भगवान गणेश को गिरिजा के प्यारे दुलारे के रूप में बुलाने से होती है। भक्त भगवान गणेश के दिव्य आशीर्वाद की कामना करते हुए उन्हें अपने बीच आमंत्रित करते हैं, क्योंकि वे सभी देवताओं में सबसे श्रेष्ठ हैं।

पवित्र पूजा और अर्पित की जाने वाली सामग्री : भजन में बताया जाता है कि भगवान गणेश को हरी हरी दूबा (एक पवित्र घास) चढ़ाई जाती है, साथ ही उन्हें चंदन और झूला अर्पित किया जाता है, जो श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक हैं। यह सब भगवान गणेश के प्रति भक्तों की आदर और सम्मान को दर्शाता है।

भोग अर्पित करना : भजन में यह भी उल्लेख किया गया है कि भक्त भगवान गणेश को लड्डुआ (एक पारंपरिक मिठाई) भोग अर्पित करते हैं, जो भगवान गणेश का पसंदीदा भोग है। यह भक्तों की निष्ठा और भक्ति को व्यक्त करता है।

गाने और स्तुति का महत्व : भजन में यह भी कहा गया है कि भक्त भगवान गणेश के लिए गीत गाते हैं, जो उनके प्रति भक्ति, प्रेम और सम्मान को प्रकट करते हैं। यह गाने भगवान गणेश के साथ एक आध्यात्मिक संबंध स्थापित करने का तरीका हैं।

यह भजन भगवान गणेश के प्रति गहरी श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। इसमें उनके लिए किए गए विभिन्न पूजा कार्यों और अर्पित की जाने वाली सामग्री का उल्लेख है, जो भक्तों की श्रद्धा और प्रेम को दर्शाता है। यह भजन भगवान गणेश की दिव्यता और भक्तों के साथ उनके संबंध को प्रकट करता है।